पी.जी.डी.आई.बी.ओ

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ)

सत्रीय कार्य

2015–16

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2015 और जुलाई 2015)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2015** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2015** है।

2. जो **जूलाई 2015** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2016** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ. – 01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेष**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ. -01/टी.एम.ए./2015 –16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. घरेलू, विदेशी तथा वैश्विक परिवेश में अंतर बताइऐ। अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के आर्थिक परिवेश, सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश और वित्तीय परिवेश का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए। (6+14)

2. (a) पराराष्ट्रीय निगम (TNCs) तथा लघु और मध्यम उधमों द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का गैर–समता रूप का विवेचन कीजिए।
   (b) विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय उत्पाद समझौते का व्याख्या कीजिए। (10+10)

3. आप किसी निर्यात फर्म के मैनेजर हैं और फैशन गार्न्मेन्टस निर्यात करने का योजना बना रहे हैं। इस निर्यात के लिए एक मानकीय निर्यात अनुबंध बनाइए। (20)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:
   (a) वैश्वीकरण विश्व आर्थिक विकास को नहीं बढ़ाया है।
   (b) पराराष्ट्रीय निगम हस्तांतरण मूल्य का उपयोग नहीं करता है।
   (c) क्षेत्रीय आर्थिक समूहीकरण व्यापार विपथन (trade diversion) को सरल (facilitate) नही बनाता है।
   (d) अन्तर्राष्ट्रीय सेवाओं में व्यापार आर्थिक विकास को सरल (facilitate) नहीं बनाता है। (4×5)

5. निम्नलिखित पर नोट लिखिये:
   (a) व्यापार का आधुनिक सिद्धांत
   (b) एक मान्य अनुबंध के आवश्यक तत्व
   (c) माल के विक्रय में लेक्स काउजा (Lex Cause) की लागूता
   (d) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन प्रचलन में नैतिक बनाम अनैतिक गतिविधियां (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ. – 02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ. -02/टी.एम.ए./2015 –16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. विपणन मिश्रण की अवधारणा की विस्तृत व्याख्या कीजिये। उसके घटकों की भी व्याख्या कीजिये । (20)

2. (a) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालिए।
   (b) सेवाओं के अन्तर्राष्ट्रीय विपणन की विभिन्न बाधाओं की विवेचना कीजिए। (10+10)

3. अन्तर्राष्ट्रीय उत्पाद जीवन चक्र के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिये। यह किस प्रकार से उत्पाद नियोजन में सहायक होता है? (20)

4. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिये:
   (a) समरूप और विभेदी विपणन लक्ष्य
   (b) अप्रत्यक्ष निर्यात एवं प्रत्यक्ष निर्यात
   (c) विलय और अधिग्रहण
   (d) मनोवैज्ञानिक विभक्तिकरण और व्यवहार विभक्तिकरण (4×5)

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए:
   (a) संवर्धन मिश्रण
   (b) विपणन संबंध
   (c) ई. पी. आर. जी. का स्थिति निर्धारण
   (d) डेटा विश्लेषण (4×5)

अध्यापक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ. – 03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**भारत का विदेशी व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.–03/टी.एम.ए./2015–16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. भारत के भुगतान शेष की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। नये नीतिगत उपायों से भारत के भुगतान शेष की स्थिति में किस प्रकार सुधार हुआ है? (20)

2. भारत के निर्यात संवर्धन में आने वाली बाधाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि इन बाधाओं से किस प्रकार प्रभावी रूप से निपटा जा सकता है? (20)

3. भारत से निर्मित वस्त्रों के निर्यात में हाल के चलन की व्याख्या कीजिए। इस क्षेत्र की शक्तियों तथा कमजोरियों को संक्षिप्त रूप में स्पष्ट कीजिए। (20)

4. सार्क के क्या उदेश्य हैं? भारत–सार्क व्यापार की संभावनाओं पर संक्षिप्त रूप में अपना विचार व्यक्त कीजिए। (20)

6. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिएः
   (a) भारत में निर्यात संवर्धन हेतु उपाय
   (b) कृषि निर्यातों में वृद्धि के लिए सरकारी उपाय
   (c) भारत–संयुक्त राष्ट्र अमेरिका व्यवसाय पूर्वेक्षण
   (d) भारत–दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ व्यापार और आर्थिक सम्बन्ध (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ. – 04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात – आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.–04/टी.एम.ए./2015–16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निर्यात राशि की वसूली के लिए निर्यातकर्ता को कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? उन्हें सुरक्षा के क्रम में अनुसूचित करें तथा प्रत्येक विकल्प में निहित जोखिमों का उल्लेख करें। (20)

2. जहाजी माल बीमा क्यों आवश्यक है? जहाजी माल बीमा पालिसी के अन्तर्गत संरक्षण प्रदान किए जाने वाले विभिन्न जोखिमों का वर्णन कीजिए। (20)

3. भारत में निर्यात प्रोत्साहनों के ढांचे की व्याख्या कीजिए तथा विश्लेषण कीजिए कि यह किस सीमा तक निर्यात संवर्धन के लिए एक सम्पूर्ण कार्यवाही प्रदान करता है। (20)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए :
   (a) शुल्क मुक्त आयात प्राधिकार योजना (DFIA)
   (b) आई एस औ (ISO) 9000 (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए:
   (a) ट्रैम्प जहाजी सेवाएं विषमजातीय वस्तुओं के परिवहन के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
   (b) IATA उपयोगकर्ताओं को निकासी गृह की सुविधा प्रदान नहीं करती है।
   (c) एक निर्यात लाइसेंस धारक किसी अन्य पक्ष के माध्यम से निर्यात कर सकता है।
   (d) आयातकर्ता के दृष्टिकोण से अग्रिम भुगतान सर्वाधिक सुरक्षित विधि नहीं है।
   (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ. – 05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.–05/टी.एम.ए./2015–16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. बन्दरगाहों की कुशलता न केवल देश की सम्पूर्ण परिवहन व्यवस्था को कुशल बनाने मे मदद करती है, बल्कि मूल स्थान से अंतिम मंजिल तक वस्तुओं की परिवहन लागत को घटाने में भी मदद करती है। टिप्पणी कीजिए और भारतीय बन्दरगाहों के सम्मुख उपयोगकर्ताओं को कुशल सेवा प्रदान करने में आ रही बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (20)

2. (a) लदान बिल क्या है। इसके मुख्य कारणों की विवेचना कीजिए।
   (b) भारतीय नौपरिवहन उद्योग द्वारा सामना की जा रही बाधाओं के संबंध में विवेचना कीजिए। (10+10)

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिएः (10+10)
   (a) समुद्री धोखाधड़ी
   (b) संयुक्त उद्यम

4. निम्नलिखित में अंतर बताइएः (10+10)
   (a) पुनः आर्डर स्तर (ROL) और पुनः आर्डर मात्रा (ROQ)
   (b) वारंटी और गारंटी

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिएः
   (a) लॉजिस्टिक्स चर और लागत जटिल और अप्रत्यक्ष तरीके से परस्पर क्रिया करते है।
   (b) बहुप्रतिरूप परिवहन जस्ट इन टाइम (JIT) अर्थात त्वरित परिवहन ठीक समय की अवधारणा पर आधारित हैं।
   (c) सामान्य मर्चेन्डाइज व्यापारी अधिक उत्तम जहाजी सेवा का उपयोग करना चाहता है।
   (d) भाड़ा दर का संबंध ले जाए जाने वाले रास्ते से नहीं होता। (4×5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ. – 06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ. -06/टी.एम.ए./2015 –16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. अन्तर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबंध के महत्व व आवश्यक्ता का वर्णन कीजिये। रोकड़ प्रबंध केंन्द्रीकरण के कौन से लाभ–विदेशी विनिमय लेन देन लागतों से संबंधित हैं? (12+8)

2. क्रय शक्ति समता सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। विनिमय दरों मे परिवर्तनों के वर्णन में इसके महत्व की विवेचना कीजिये। (12+8)

3. व्यापार शेष व भुगतान शेष में विशिष्ट उदाहरणों के साथ अन्तर कीजिए। चालू खाता, पूंजी खाता व अधिकारिक रिर्जव खाता के मध्य अन्तर बताइऐ। (20)

4. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिएः
   (a) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
   (b) रियल आप्श्न मूल्य
   (c) विदेशी विनियम बाजार
   (d) आर्थिक एक्सपोजर (4×5)

5. निम्नलिखित में अन्तर बताइऐः
   (a) केन्द्रित रोकड. प्रबंध और विकेन्द्रित रोकड़ प्रबंध
   (b) विदेशी बॉंड और यूरो बॉंड (10+10)